भारत सरकार

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय

खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 2822

06 अगस्त, 2025 के लिए प्रश्न

पीडीएस पहुंच और बायोमेट्रिक सत्यापन मुद्दे

2822. श्री विजय कुमार हाँसदाक:
श्री चरनजीत सिंह चन्नी:
श्री सप्तगिरी शंकर उलाका:
श्रीमती ज्योत्स्ना चरणदास महंत:
श्री के. सुधाकरन:
डॉ. नामदेव किरसान:

क्या **उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में जून 2025 तक ऐसे राशन कार्डधारकों, जिनके राशन कार्ड आधार से जुड़े हैं, की संख्या और प्रतिशत राज्यवार कितना है;

(ख) सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) दुकानों पर वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान विफल बायोमेट्रिक प्रमाणीकरणों की दर्ज की गई माह्वार संख्या कितनी है; और

(ग) क्या किसी राज्य या संघ राज्यक्षेत्र ने उच्च विफलता दर के कारण छूट या वैकल्पिक (गैर-बायोमेट्रिक) प्रमाणीकरण उपायों की मांग की है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री
(श्रीमती निमुबेन जयंतीभाई बांभणिया)

(क): राशन कार्डों में आधार सीडिंग को दर्शाने वाला विवरण अनुबंध में दिया गया है।

(ख): विभाग द्वारा बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण विफल होने संबंधी कोई रिपोर्ट नहीं रखी जाती है। इसके अतिरिक्त, विभाग ने सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को सूचित किया है कि किसी भी वास्तविक लाभार्थी/परिवार को नेटवर्क/कनेक्टिविटी/लिंकिंग संबंधी समस्याओं या किसी अन्य तकनीकी कारणों आदि के कारण बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण विफल होने के आधार पर एनएफएसए के अंतर्गत उनके पात्र खाद्यान्न कोटे से वंचित नहीं किया जाएगा।

(ग): किसी भी राज्य/संघ राज्य क्षेत्र ने बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण की विफलता के कारण छूट या वैकल्पिक प्रमाणीकरण उपायों की मांग नहीं की है।

*****

राशन कार्ड (आरसी) में आधार सीडिंग दर्शाने वाला विवरण

क्र. सं.	राज्य का नाम	कुल आर.सी.	आधार सीडेड आरसी	आरसी का %
1	अंडमान व निकोबार द्वीप समूह	17,989	17,989	100.00%
2	आंध्र प्रदेश	8,837,972	8,837,972	100.00%
3	अरुणाचल प्रदेश	186,406	150,272	80.62%
4	असम	7,030,347	7,025,139	99.93%
5	बिहार	20,696,745	20,653,930	99.79%
6	चंडीगढ़	85,825	85,504	99.63%
7	छत्तीसगढ	5,589,781	5,586,761	99.95%
8	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	57,773	57,773	100.00%
9	दिल्ली	1,746,316	1,746,316	100.00%
10	गोवा	128,025	128,003	99.98%
11	गुजरात	7,650,466	7,642,505	99.90%
12	हरियाणा	4,540,017	4,540,017	100.00%
13	हिमाचल प्रदेश	747,358	747,358	100.00%
14	जम्मू और कश्मीर	1,658,431	1,658,424	100.00%
15	झारखंड	6,071,140	6,025,668	99.25%
16	कर्नाटक	11,030,539	11,030,539	100.00%
17	केरल	4,205,079	4,203,643	99.97%
18	लद्दाख	28,748	28,748	100.00%
19	लक्षद्वीप	5,435	5,431	99.93%
20	मध्य प्रदेश	12,964,517	12,962,975	99.99%
21	महाराष्ट्र	16,752,994	16,752,752	100.00%
22	मणिपुर	580,641	578,823	99.69%
23	मेघालय	416,735	325,513	78.11%
24	मिजोरम	180,032	179,709	99.82%
25	नगालैंड	344,440	338,897	98.39%
26	ओडिशा	9,646,106	9,623,924	99.77%
27	पुदुचेरी	207,349	207,023	99.84%
28	पंजाब	4,097,681	4,097,521	100.00%
29	राजस्थान	10,963,427	10,923,232	99.63%
30	सिक्किम	96,252	96,210	99.96%
31	तमिलनाडु	11,538,343	11,538,267	100.00%
32	तेलंगाना	5,430,545	5,430,545	100.00%
33	त्रिपुरा	607,594	606,555	99.83%
34	उत्तराखंड	1,394,825	1,394,768	100.00%
35	उत्तर प्रदेश	36,073,235	36,071,394	99.99%
36	पश्चिम बंगाल	13,830,991	13,822,101	99.94%
	कुल	205,440,099	205,122,201	99.80%

*****